पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 11 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 7 सितम्बर, 2022 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT (UEM)

JAIPUR

(AICTE Mentor Institute)

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, 6 kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur-303807 (Rajasthan)
City Office: 210-212, 2nd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur-302015 | 0141-4063336

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887613330

NAAC ACCREDITED | UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act) | AICTE APPROVED | AIU MEMBER | CAMBRIDGE UNIVERSITY PRESS & ASSESSMENT Linguaskill Simplify your English language testing

RANKED 2ND IN NORTH WESTERN INDIA BY INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL (Ministry of HRD Initiative)

MOST PROMISING UNIVERSITY BY ARIIA ATAL RANKING OF INSTITUTIONS ON INNOVATION ACHIEVEMENTS

INDIA TODAY BEST COLLEGE RANKING SURVEY - 2022

QS - I-GAUGE GLOBAL RANKINGS

ADMISSIONS OPEN 2022-23

COURSES OFFERED

B.TECH
Computer Science & Engineering | Electronics & Communication Engineering | Electrical Engineering | Civil Engineering | Mechanical Engineering
Artificial Intelligence (A.I.) & Machine Learning (M.L.)
B.TECH (Lateral Entry) in all disciplines

M.TECH (Computer Science)
Artificial intelligence & Machine Learning (AI & ML)
Big Data Analytics | Cloud Computing | Data Science
M.TECH (ECE) **M.TECH** (Civil)
M.TECH (Mechanical) **M.TECH** (Electrical)

BBA MBA
Finance | Human Resource (HR) | Marketing | Strategic Planning | Production & Operations |

BBA + MBA

MBA (EXECUTIVE)

BCA MCA
Artificial Intelligence & Machine Learning | Blockchain Technology | Cloud Computing | Data Science | Cyber Forensic & Internet Security | Internet of Things (IOT) |

BPT MPT
Sports | Neurology | Orthopedics | Cardiopulmonary |

Ph.D
Computer Science & Engineering | Electrical Engineering | Civil Engineering | Electronics & Communication Engineering | Mechanical Engineering | Management | Physics | Chemistry | Mathematics | Humanities | (English, Social Sciences, Disaster Management etc.)

38 YEARS IN EDUCATION EXCELLENCE

MORE THAN ₹ 5 CRORES WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS

CENTRE FOR START-UP INCUBATION

EXCELLENT PLACEMENTS & INTERNSHIPS

FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS

UNLV | RENNES | GIIM | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY | Brunel University London

MORE THAN 8000+ CERTIFICATION FROM FOREIGN UNIVERSITIES

HARVARD BUSINESS SCHOOL | edX | coursera Education for Everyone

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Scholarship

75%

of 1st Year

UPTO ₹ 75,000/-

SCHOLARSHIP PER STUDENT

Eligibility:

- Student must have 75% or higher marks in qualifying examination
- JEE Main Rank must be below 75000 (General)/NEET score (75% or above)

*upto 75% Scholarship of the total tuition fee for 1st Year (regular fee from next year onwards)

*Conditions apply

Admission Helpline Nos. 9887313330, 9887613330, 9887806930 https://admission.uem.edu.in

संपादकीय

नए सिरे से परिभाषित हों कल्याणकारी योजनाएं

संवैधानिक प्रविधानों के अनुसार लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई लोकप्रिय कार्यक्रम संचालित कर रही हैं। जैसे कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी पीडीएस। इसके माध्यम से निर्धन लोगों को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिलता है। देश में इन दिनों चुनावी लोकलुभावनवाद की चर्चा है। राजनीतिक गलियारों से लेकर अदालती कक्षों में चुनावों के समय किए जाने वाले ऐसे वादों से जुड़ी रेवड़ी संस्कृति पर बहस हो रही है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करने के बजाय राजनीतिक दल अपने-अपने तर्क गढ़ने में लगे है, जबकि उन्हें समझना होगा कि ऐसे वादों के वित्तीय बोझ से न केवल अर्थव्यवस्था को गंभीर नतीजे भुगतने होंगे, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना पर भी गहरा आघात होगा। इसकी कीमत कई पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। हाल के दौर में श्रीलंका की आर्थिक दुर्दशा के पीछे भी ऐसे ही वादों की अहम भूमिका रही, जिसके बाद भारत में इस बहस ने जोर पकड़ा।संवैधानिक प्रविधानों के अनुसार लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई लोकप्रिय कार्यक्रम संचालित कर रही हैं। जैसे कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी पीडीएस। इसके माध्यम से निर्धन लोगों को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार रोजगार गारंटी योजना लोगों को काम का अधिकार देती है। शिक्षा और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में संचालित कार्यक्रम अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करते हैं, जिससे देश समावेशी विकास की दिशा में बढ़ सके।इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जहां सीमित संसाधनों के अनुकूलतम दोहन द्वारा समाज की उत्पादकता को बढ़ाना है, वहीं आय असंतुलन को कम करके सामाजिक विस्फोट की संभावनाओं को नगण्य करना भी है। इनके विपरीत चुनाव के समय मतदाताओं को लुभाने के लिए पार्टियां लोकलुभावन वादों की झड़ी लगा देती हैं। उनमें टीवी, मिक्सर ग्राइंडर, नगद रुपये, मोबाइल, लैपटाप, स्कूटी और मुफ्त बिजली आदि देने की पेशकश की जाती है। कुछ महीनों पहले पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा हर व्यस्क महिला को 1000 रुपये महीने का भत्ता और हरेक परिवार को 300 यूनिट फ्री में बिजली देना कल्याणकारी योजनाओं का उपहास है। मुफ्त उपहार के वादों के सकारात्मक से अधिक नकारात्मक प्रभाव होते हैं। इससे अर्थव्यवस्था पर हजारों करोड़ रुपये का बोझ पड़ना तय है। दूसरा, ऐसी सुविधाएं उन्हें भी मिलेंगी, जो कल्याणकारी योजनाओं के लक्षित वर्ग से बाहर हैं। इससे करदाताओं में असंतोष उत्पन्न होगा। तीसरा, लोगों में कार्य के प्रति उदासीनता का भाव पैदा होगा। इससे उत्पादकता घटेगी, क्योंकि लोगों को बैठे-बिठाए लाभ मिलते रहेंगे।दरअसल सभी दल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 की अस्पष्टता का लाभ लेने में लगे हुए हैं। इस एक्ट के अनुसार यदि कोई प्रत्याशी या उससे जुड़ा कोई व्यक्ति घूस, उपहार या फिर अन्य कुछ देने का वादा करता है तो उसकी मान्यता रद की जा सकती है। इसीलिए कल्याणकारी योजनाओं को आज नए सिरे से स्पष्ट रूप में फिर से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता है।चूंकि अधिकांश राजनीतिक दलों का एकमात्र उद्देश्य किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना होता है तो इसी कारण कभी न खत्म होने वाला मुफ्तखोरी का चक्र जारी रहता है।

इंकलाब फाउंडेशन के रक्त दान शिविर में 105 युवाओं ने किया रक्तदान

जयपुर (संस्कार सृजन)। बांसा गांव में इंकलाब फाउंडेशन टीम की ओर से ग्राम पंचायत विजयसिंहपुरा परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि रक्तदान महादान है आपके रक्त की एक बूंद किसी की जिंदगी बचा सकती है । विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य, सामोद थाना प्रभारी पूजा पूनिया, आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव, कौशल तंवर, गजानन्द सैनी ने भी अपना उद्बोधन देकर रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की । इंकलाब फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र बागड़ी ने बताया कि रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ । रक्तदाताओं को उपहारस्वरुप हेलमेट देकर सम्मानित किया गया । इस दौरान नरेंद्र सैनी, शंकरलाल, राजेंद्र, विकास शर्मा, प्रीतम पंचोली, शशिकांत सैनी, आदित्य, गजानन्द सहित कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे ।

विधायक आवास पर पांच माह में तीन बार चोरी

जयपुर(नि.सं.)। बारां अटरू से कांग्रेस विधायक पानाचंद मेघवाल चोरों से खासे परेशान हैं। उनके सरकारी आवास पर पिछले 5 महीने में तीन बार चोरी हो चुकी हैं। पानाचंद ने कल अपने ड्राईवर के हाथ खुद के लैटर पैड पर शिकायत दर्ज करने के लिए पत्र लिखा। इसके बाद बजाज नगर थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया हैं। विधायक पानाचंद ने शिकायत में अंदेशा जताते हुए कहा- यह काम किसी गिरोह के द्वारा किया जा रहा हैं। सरकारी आवास एन 37 में तीन बार चोरी होने से विधायक और उनके परिचित काफी परेशान हैं।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

कब बचपन बीता

विनोद शर्मा वेणु

कब बचपन बीता जवानी गयी
और ये वक्त की रवानी आ गयी
आज बहुत वक्त बाद मैंने देखा
आइने में अपने आप को
यूंही फुर्सत में था और
नजर पड़ गयी
उन उजले होते से बालों पर
और झुर्रियाँ पड़ते गालों पर
यकायक याद आया उम्र
कितनी हो गयी
गौर किया और पाया
अधेड़ों में गिनती हो गयी
कब बचपन बीता जवानी गयी
और ये वक्त की रवानी आ गयी
बैठ कर यूँ ही बीते
दिनों को खंगालने लगा मैं
माँ बाबा की यादा आ गयी
वो स्कूल का बस्ता वो
टिफिन में नास्ता
माँ देती थी बांध कर और
बाबा पहुंचा आते थे स्कूल तक
फिर बाबा से चवन्नी की जिद्द करना
उस से वो रंग बिरंगी
गोलियां खरीदना
कभी इमली तो कभी
चूरन की पुड़िया खरीदना
खुद खाना और दोस्तों को खिलाना
एक एक कर सब पुरानी
यादें ताजा होने लग गयी
कुछ नये लोगों का आना
कुछ पुराने चावलों का चले जाना
इस जीवन के हर लम्हे में
ताजगी आ गयी
कब बचपन बीता जवानी गयी
और ये वक्त की रवानी आ गयी

श्राद्धों में तर्पण करने से पितृ होते हैं प्रसन्न

अश्विनी मास में 15 दिन श्राद्ध के लिए माने गए हैं। पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तक का समय पितरों को याद करने के लिए मनाया गया है। सबसे पहला श्राद्ध पूर्णिमा से शुरू होता है। इस दिन पहला श्राद्ध कहा जाता है, जिन पितरों का देहांत पूर्णिमा के दिन हुआ हो, उनका श्राद्ध पूर्णिमा तिथि के दिन किया जाता है। इन 15 दिनों में सभी अपने पितरों का उनकी निश्चित तिथि पर तर्पण, श्राद्ध करते हैं। ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देकर प्रस्थान करते हैं। अमावस्या के दिन पितरों को विदा दी जाती है। 11 सितम्बर को सूर्योदय के साथ हो आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि लग रही है अतः पितृ पक्ष का आरम्भ 11 सितम्बर को हो जाएगा।

परंतु पूर्णिमा का श्राद्ध कर्म भाद्र पद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को ही किया जाता है जो 10 सितंबर दिन शनिवार को ही है। इसलिए महालय का आरम्भ 10 सितंबर शनिवार से ही हो जाएगा। जिस तिथि में पितर देव दिवंगत हुए होते है उसी तिथि पर पितृपक्ष में तिथियों के अनुसार श्राद्ध कर्म एवं तर्पण किया जाना शास्त्र सम्मत है। संतान की दीर्घायु एवं कुशलता की कामना से किया जाने वाला परम पुनीत जियुतिया (जियुतपुत्रिका) का व्रत पूजन अष्टमी श्राद्ध के दिन किया जाता है, इसलिए जितिया का व्रत रविवार 18 सितंबर 2022 को रखा जाएगा और इसका पारण सोमवार 19 सितंबर 2022 को किया जाएगा. जबकि सोमवार 19 सितंबर की सुबह 6.10 पर सूर्योदय के बाद माताएं व्रत का पारण कर सकती है इस प्रकार 11 सितम्बर से शुरू हो रहे पितृ पक्ष, 25 सितंबर को समाप्त होंगे।

ये हैं श्राद्ध की सभी तिथियां

पूर्णिमा का श्राद्ध एवं तर्पण 10 सितंबर दिन शनिवार
प्रतिपदा का श्राद्ध एवं तर्पण 11 सितंबर दिन रविवार
द्वितीया का श्राद्ध एवं तर्पण12 सितम्बर दिन सोमवार
तृतीया का श्राद्ध एवं तर्पण 13 सितंबर दिन मंगलवार
चतुर्थी का श्राद्ध एवं तर्पण 14 सितंबर दिन बुधवार
पंचमी का श्राद्ध एवं तर्पण 15 सितंबर दिन गुरुवार
षष्ठी का श्राद्ध एवं तर्पण 16 सितंबर दिन शुक्रवार
सप्तमी का श्राद्ध एवं तर्पण 17 सितंबर दिन शनिवार
अष्टमी का श्राद्ध एवं तर्पण 18 सितंबर दिन रविवार
नवमी का श्राद्ध एवं तर्पण 19 सितंबर दिन सोमवार
दशमी का श्राद्ध एवं तर्पण 20 सितंबर दिन मंगलवार
एकादशी का श्राद्ध तर्पण 21 सितंबर दिन बुधवार
द्वादशी का श्राद्ध एवं तर्पण 22 सितंबर दिन गुरुवार
त्रयोदशी का श्राद्ध एवं तर्पण 23 सितंबर दिन शुक्रवार
चतुर्दशी का श्राद्ध एवं तर्पण 24 सितंबर दिन शनिवार
अमावस्या का श्राद्ध एवं तर्पण 25 सितंबर दिन रविवार

इस साल आश्विन मास के नवरात्रि हैं खास

हिंदू धर्म में नवरात्रि का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया जाता है। पूरे साल में कुल चार नवरात्रि आते हैं। दो गुप्त नवरात्रि, 1 चैत्र नवरात्रि और एक शारदीय नवरात्रि। इस साल शारदीय नवरात्रि 26 सितंबर 2022 से प्रारंभ हो रहे हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन मास की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि प्रारंभ होकर नवमी तिथि यानी 5 अक्टूबर तक चलेंगे। इस साल के शारदीय नवरात्रि को खास माना जा रहा है क्योंकि मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। जानें घटस्थापना का शुभ मुहूर्त व अन्य खास बातें-

शारदीय नवरात्रि 2022 तिथि व घट स्थापना मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, घटस्थापना मुहूर्त 26 सितंबर को सुबह 06 बजकर 20 मिनट से सुबह 10 बजकर 19 मिनट तक रहेगा। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर को सुबह 03 बजकर 24 मिनट से 27 सितंबर सुबह 03 बजकर 08 मिनट तक रहेगी।

इस बार क्यों है शारदीय नवरात्रि खास

साल 2022 के शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर पृथ्वी पर आ रही हैं। यानी इस साल माता रानी का वाहन हाथी है। जब नवरात्रि रविवार और सोमवार के शुरू होते हैं तो मां दुर्गा की सवारी हाथी होता है। मां आदिशक्ति के हाथी पर सवार होने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और दुनिया भर में शांति के प्रयास सफल होने की मान्यता है।

नवरात्रि किस दिन किस देवी की करें पूजा

26 सितंबर 2022- मां शैलपुत्री (पहला दिन) प्रतिपदा तिथि
27 सितंबर 2022- मां ब्रह्मचारिणी (दूसरा दिन) द्वितीया तिथि
28 सितंबर 2022- मां चंद्रघंटा (तीसरा दिन) तृतीया तिथि
29 सितंबर 2022- मां कुष्मांडा (चौथा दिन) चतुर्थी तिथि
30 सितंबर 2022- मां स्कंदमाता (पांचवा दिन) पंचमी तिथि
1 अक्टूबर 2022- मां कात्यायनी (छठा दिन) षष्ठी तिथि
2 अक्टूबर 2022- मां कालरात्रि (सातवां दिन) सप्तमी तिथि
3 अक्टूबर 2022- मां महागौरी (आठवां दिन) दुर्गा अष्टमी
4 अक्टूबर 2022- महानवमी, (नौवां दिन) शरद नवरात्र व्रत पारण
5 अक्टूबर 2022- मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, दशमी तिथि (दशहरा)

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

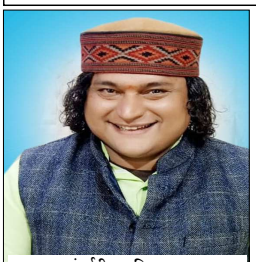

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष - माता का सानिध्य व सहयोग मिलेगा, बातचीत में संयत रहें। वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृष - धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा। घर परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, वस्त्रादि उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से धन की प्राप्ती हो सकती है, यात्रा लाभप्रद रहेगी।

मिथुन - संपत्ति से आय में वृद्धि होगी, माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है, स्थान परिवर्तन भी संभव है। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। संपत्ति से आय में वृद्धि हो सकती है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। नौकरी में तरक्की की संभावनएं बन रही हैं, अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी, वाहन सुख का वस्तार संभव है।

कर्क - आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। स्थान परिवर्तन भी संभव है। मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, आत्मवश्विास से लबरेज रहेंगे लेकिन अतिउत्साही होने से बचें। माता व परिवार की किसी बुजुर्ग महिला से धन की प्राप्ती के योग बन रहे हैं। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना भी बन रही है।

सिंह - भवन सुख का वस्तिार होगा, मात-पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। भवन सुख का वस्तिार होगा, नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं।

कन्या - स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। नौकरी व कार्यक्षेत्र में वस्तिार हो सकता है। स्थान परिवर्तन की भी संभावना बन रही है। अफसरों का सहयोग मिलेगा, कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी। मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है, आय में भी वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी संभावित है।

तुला - मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। मत्रिों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक - अपनी भावनाओं में वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में शांति रहेगी, वाहन सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी लेकिन क्रोध की भी अधिकता रहेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। माता का सानिध्य व सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु - मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। धर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं, इच्छा विरुद्ध कुछ नए कार्यों की जिम्मेदारी मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा, आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर - मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, किसी पुराने मत्रि से भेंट हो सकती हैं। आत्म संयत रहेंख, वाणी में सौम्यता रखें, परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा। कार्य में परश्रिम की अधिकता अधिक रहेगी।

कुंभ - मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे। खर्च में वृद्धि हो सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन - आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें, माता से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आशा-निराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती हैं, परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

(आलेख)

शिक्षकों के सम्मुख आने वाली चुनौतियाँ व समाधान

शिक्षक मनुष्य का निर्माता होता है। वह अक्षर ज्ञान से लेकर जीवन को जीने की कला सिखाता है। प्राचीन शिक्षा पद्धति में गुरुकुल में शिक्षा दी जाती थी। त्रेता में भगवान श्रीराम ने गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की। द्वापर में भगवान कृष्ण ने अपने गुरु संदीपनी से गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की। आज विद्यालयों में पढ़ाया जाता है।

सरकारी व निजी स्कूलों में बच्चे पढ़ने जाते हैं। पहले मौखिक ज्ञान को कंठस्थ करवाया जाता था । आज मौखिक व लिखित दोनों प्रकार की परीक्षा ली जाती है। एक शिक्षक की भूमिका बच्चों को साक्षर करने से ही खत्म नहीं हो जाती बल्कि वह अपने विद्यार्थियों में आत्मबल, आदर्श, नैतिक बल ,सच्चाई, ईमानदारी, लगन व मेहनत की मशाल भी जलाता है, जो उसे पूर्ण मनुष्य बनाता है।

आज शिक्षा क्षेत्र में स्वार्थ के कारण नये जमाने का असर नज़र आने लगा है। महंगी कोचिंग, महंगे स्कूल मनमानी फीस वसूलते हैं। गरीब व्यक्ति अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। सरकारी स्कूल में बिल्डिंग सही नहीं है, संसाधन पूर्ण नहीं है। कई कमियों के कारण अभिभावक प्राइवेट स्कूलों में ही प्रवेश दिलवाते हैं। राजस्थान राज्य में शिक्षा के प्रति नई पहल कर सरकारी स्कूलों की दशा बदल दी है, नई स्कूल बिल्डिंग बनी है। गतिविधि आधारित शिक्षा होने लगी है ।

बच्चे खेल - खेल में आनंददायी शिक्षण के माध्यम से पढ़ रहे हैं।

मिड डे मील योजना से जहाँ एक ओर विद्यालय के बच्चों को कुपोषण से छुटकारा मिल गया है वहीं दूसरी ओर विद्यालय के नामांकन में भी बढ़ोतरी हुई है। छात्रवृति योजना, साइकिल योजना, निशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना भी कारगर सिद्ध हुई है।

आज जरूरत है बच्चों को नैतिक आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा दी जावे। जिससे जीवन मूल्य सीखकर स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों से कई अपेक्षाएं की गई है साथ ही शिक्षक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया गया है। समूह बनाकर कक्षा में बच्चों को बैठाकर एक - एक बच्चे को उसके स्तर के अनुसार निर्धारित विषयवस्तु को पढ़ाया जावे। उन्हें पर्याप्त होमवर्क दिया जावे। साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक ,त्रैमासिक मूल्यांकन पर भी जोर दिया जा रहा है। वर्ष भर के पाठ्यक्रम को भी भाग 1,2,3 में विभाजित कर दिया है। प्रथम, द्वितीय व तृतीय योगात्मक मूल्यांकन किया जाने लगा है। सरकारी स्कूलों की पढ़ाई इन सभी नावचारों के कारण निजी स्कूलों से भी बेहतर हो गई है।

बच्चों को शनिवार को नो बेग डे यानि बस्ता मुक्त दिवस पर गतिविधि करवाई जाती है। जिससे बच्चों को सामान्य ज्ञान अपडेट

-डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित
झालावाड़

रहता है। गतिविधि के जरिये अपने राज्य व देश की जानकारी प्राप्त होती है।

आज अध्यापकों के सामने कई चुनोतियाँ है। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देना। नामांकन एवं ठहराव पर ध्यान देना आदि। श्रेष्ठ संवेदनशील युवा पीढ़ी को तैयार करना सबसे बड़ी चुनोती है।

मोबाइल व मीडिया के कारण आज की युवा पीढ़ी ने स्वतंत्र चिंतन करना छोड़ दिया है। आज शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों के प्रति ईमानदार सोच रखते हुए उन्हें मानवीय गुणों की ओर प्रेरित करें। इस समय शिक्षकों की रचनाशीलता, विवेक ,ज्ञान, कल्पनाशीलता का समुचित उपयोग करने की आवश्यकता है।

आज बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बालिका शिक्षा से दो परिवारों में उजाला होता है। आज की सदी में वैश्वीकरण उदारीकरण व निजीकरण होने से शिक्षा का स्वरूप ही बदलता जा रहा है। आज निर्धन व प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चाहते हुए भी आगे बढने का शुभ अवसर प्राप्त नहीं होता है।

शिक्षा आजीविका का नहीं जीवन का साधन है। शिक्षा के साथ ही बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा यानी रोजगारपरक शिक्षा भी दी जानी चाहिए जिससे युवा हुनर प्राप्त कर अपनी रोजी - रोटी कमा सके,रोजगार से जुड़ सके। गांधी जी ने कहा था कि सिलाई, कढाई ,बुनाई, क्राफ्ट कला आदि सीखना चाहिए। सतत शिक्षा का प्रबंध होना चाहिए।मनुष्य जीवन भर शिक्षार्थी रहे। घर समाज व परिवेश से बालक कठिन से कठिन भाषा भी बोलना सीख लेते हैं । शिक्षक, शिक्षार्थी व अभिभावक तीनों का सतत सम्पर्क होना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना शिक्षक के समक्ष सबसे बड़ी चुनोती होती है। आज के शिक्षक को पोषाहार का कार्य,चुनाव कार्य, पुस्तकें लाना ,स्वास्थ्य परीक्षण करने सहित कई कामों में लगा दिया जाता है। बाबू के काम तो शिक्षक करने लगे हैं। ऐसे में समय अभाव से बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है, वे पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कई डाक बनाना, ऑफ़लाइन, ऑनलाइन करना आदि कार्यों में उलझा रहता है ।

गांधी जी का शिक्षा दर्शन आज भी प्रासंगिक है। सत्य, अहिंसा, सेवा,त्याग आदि जिन बातों की जीवन में प्रधानता है उनकी प्राप्ति तो शिक्षा से ही सम्भव है। गांधी जी शिक्षा को व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास का साधन मानते थे।

सा विद्या या विमुक्तये कहा भी गया है। शिक्षा शारीरिक ,मानसिक, नैतिक, आध्यात्मिक सभी प्रकार के विकास में सहायक होती है। शिक्षा में आत्मनिर्भरता की भावना उत्पन्न करने की भावना होनी चाहिए। विद्यालय में विद्यार्थी जो ज्ञान प्राप्त करते हैं उनसे वे सामाजिक वातावरण को समझ सकते हैं। बालक जिस समुदाय का सदस्य होता है, उस समुदाय के सामान्य हित के अनुसार ही विद्यार्थी अपनी क्षमता का विकास करे।

गाँधीजी शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य अंतिम वास्तविकता का अनुभव एवं आत्मानुभूति का ज्ञान मानते थे। इसके लिए नैतिक व चारित्रिक विकास को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया।

जग जाहिर ना करे पारिवारिक मतभेद

महाभारत काल में जब पांडव वनवास काल में थे तो अपना जीवन एक कुटिया में रहकर बिता रहे थे जिसके बारे में जब दुर्योधन को पता चला तो उसने पांडवों को नीचा दिखाने के लिए पूर्ण ऐशवर्य के साथ वन में जाने की सोची ताकि वो पांडवों को ईर्ष्या से जलता देख सके।

प्रभाती लाल सैनी

जब दुर्योधन वन के लिए निकला । तब उसकी रास्ते में गंधर्वराज से मुलाकात हुई । उसी वक्त दुर्योधन ने सोचा कि गंधर्वकुमार को हराकर पांडवों को अपनी ताकत का प्रमाण देने का अच्छा मौका है । ऐसा सोच उसने गंधर्व राज पर आक्रमण कर दिया, लेकिन गन्धर्व राज अत्यंत शक्तिशाली थे । उन्होंने दुर्योधन को हरा दिया और उसे बंदी बना लिया । जब इसकी सूचना पांडवों को मिली तब युधिष्ठिर ने भाईयों को आदेश दिया कि वे जाकर दुर्योधन को वापस लायें । यह सुनकर भीम ने कहा -भ्राता ! यूँ तो दुर्योधन हमारा भाई है लेकिन वो सदैव हमारा अहित सोचता है तो ऐसे में उसकी मदद क्यूँ की जाये । तब युधिष्ठिर ने उत्तर दिया- भले ! हमारा और हमारे भाईयों का बैर है लेकिन वो एक घर की बात है जिसे जग जाहिर करना गलत है । पारिवारिक झगड़े परिवार में ही रहे उसी में परिवार की इज्जत है । इसे यूँ प्रदर्शित करना पूर्वजों का अपमान है । बड़े भाई की आज्ञा मान पांडव गंधर्वराज से युद्ध करते हैं और दुर्योधन को छुड़ा लाते हैं । आज कल परिवार में झगड़े बढ़ते ही जा रहे हैं लेकिन ये आम बात है, परन्तु इनका बखान अन्य के सामने करना गलत है । इससे जग हँसाई होती है और आपके परिवार की कमजोरी सभी के सामने उजागर होती है ।

परिवार में कितना ही बैर क्यूँ ना हो लेकिन विपत्ति में हमेशा अपनों का साथ देना चाहिये । आजकल आम बात में परिवार में मनमुटाव होना लेकिन अगर इसकी भनक दूसरों को लगती है तो वे आपका मजाक उड़ाते हैं । साथ ही इसका फायदा उठाकर आपको नुकसान भी पहुँचा सकते हैं । जिस तरह से अंग्रेजों ने आपसी मतभेद का फायदा उठाकर कई सालों तक हमारे देश पर राज किया । अगर आप परिवार के झगड़ों की बातें अन्य के सामने करते हैं तो आपके बुजुर्गों एवं उनके संस्कारों पर लोग प्रश्नचिन्ह लगाते हैं जिससे परिवार की साख मिट्टी में मिल जाती है । अतः जहाँ तक कोशिश करें पारिवारिक मनमुटाव को परिवार में ही रहने दें ,उसका बखान कर परिवार की नींव कमज़ोर ना करें ।

द्रौपदी ने साबित किया- हर मुसीबत में अपने भक्तों को बचाते हैं भगवान श्रीकृष्ण

देवी द्रौपदी पांचाल नरेश राजा ध्रुपद की अयोनिजा पुत्री थी। इनकी उत्पत्ति यज्ञवेदी से हुई थी। इनका रूप लावण्य अनुपम था। इनके जैसी सुंदरी उस समय पृथ्वी भर में न थी। इनके शरीर से तुरंत खिले कमल की सी गंध निकलकर एक कोस तक फैल जाती थी। इनके जन्म के समय आकाशवाणी ने कहा था कि देवताओं का कार्य सिद्ध करने के लिए क्षत्रियों के संहार के उद्देश्य से इस रमणीरत्न का जन्म हुआ है। इसके कारण कौरवों को बड़ा भय होगा। कृष्णवर्ण होने के कारण लोग इन्हें कृष्णा कहते थे। पूर्वजन्म में दिये हुए भगवान शंकर के वरदान से इन्हें इस जन्म में पांच पति प्राप्त हुए। अकेले अर्जुन के द्वारा स्वयंवर में जीती जाने पर भी माता कुन्ती की आज्ञा से इन्हें पांचों भाइयों ने ब्याहा था। द्रौपदी उच्च कोटि की पतिव्रता एवं भगवतवक्ता थीं। इनकी भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में अविचल प्रीति थी। ये उन्हें अपना रक्षक, हितैषी एवं परम आत्मीय तो मानती ही थीं, उनकी सर्वव्यापकता एवं सर्वशक्तिमत्ता में भी इनका पूर्ण विश्वास था। जब कौरवों की सभा में दुष्ट दुशासन ने इन्हें नग्न करना चाहा और सभासदों में से किसी की हिम्मत न हुई कि इस अमानुषी अत्याचार को रोके, उस समय अपनी लाज बचाने का कोई दूसरा उपाय न देख इन्होंने आतुर होकर भगवान श्रीकृष्ण को पुकारा।

सैनी सा एसोसिएट टीम ने की गणेश पूजा

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के आरटीओ कार्यालय के सामने स्थित हाथी टीबा बी कॉलोनी में सैनी सा एसोसिएट के ऑफिस में गणेश चतुर्थी पर विधि विधान से पूजा अर्चना की ।

सैनी सा एसोसिएट के डायरेक्टर हीरालाल सैनी ने बताया कि टीम के सदस्यों ने सुबह से ही गणेश पूजन को लेकर उत्साह दिखा । पूजन के शुभ मुहूर्त प्रातः 11:11 बजे सभी ने पूजा अर्चना की और सुख शांति की कामना की । इस दौरान जयनारायण जांगिड़,नरेंद्र सैनी, मनोज भाटी,शैतान सिंह बारेठ और रेनू सैनी सहित सभी सदस्य मौजूद रहे ।

पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल ने किया सरपंच साहब मक्खन लाल पारीक की जीवनी का विमोचन

गांव सबसे बड़ा तीर्थ स्थान होता है : पालीवाल

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील की गोविंदगढ़ पंचायत समिति के मलिकपुर गांव में पूर्व सरपंच रहे स्वर्गीय मक्खन लाल पारीक की जीवनी पर लिखी पुस्तक का विमोचन पर्यावरणविद, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और राजसमंद जिले के पिपलांत्री गांव के पूर्व सरपंच श्याम सुंदर पालीवाल ने अपने कर कमलों से किया। मुख्य अतिथि पालीवाल ने कहा कि गांव सबसे बड़ा तीर्थ स्थान होता है। इसकी महत्ता गांव से दूर जाने पर पता चलती है । जनप्रतिनिधियों सहित आमजन का भी कर्तव्य है कि गांव में स्थित वनस्पति, पशु संपदा, वन्यजीव सहित प्रकृति का संरक्षण करें । जीवनी के विमोचन से पूर्व पद्म श्री श्याम सुंदर पालीवाल ने ग्राम के मुख्य बाजार स्थित लक्ष्मी नाथ जी के मंदिर में दर्शन किए और आरती उतारी । इसके बाद मलिकपुर ग्राम पंचायत में पहुंचकर अवलोकन किया और सरपंच सुनीता यादव और सरपंच प्रतिनिधि नन्छु राम केशवा की उपस्थिति में पंचायत परिसर में 5 पौधे लगाए । इसके बाद कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर पूर्व सरपंच मक्खन लाल पारीक और उनकी धर्मपत्नी गीता देवी पारीक के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की । इस दौरान पारीक परिवार की महिला सदस्यों द्वारा गणेश वंदना और अतिथि गान का आयोजन किया गया । पारीक परिवार ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण और साफा पहनाकर सम्मान किया गया और स्मृति स्वरूप मोमेंटो भी प्रदान किया गया । पारीक परिवार के सदस्यों ने बताया कि पूर्व सरपंच मक्खन लाल पारीक हमेशा से ही समाज सेवा को तवज्जो देते थे । ग्राम का विकास ही उनकी प्राथमिकता थी उनके बताए हुए मार्ग पर आज भी पारीक परिवार चल रहा है । जीवनी विमोचन समारोह में पंचायत समिति सदस्य स्नेह लता पारिक, गोगराज देवन्दा, सत्य प्रकाश पारीक, मोहित पारीक सहित पारीक परिवार के सदस्य और ग्रामीण जन मौजूद रहे ।

अजमेर से सियालदाह ट्रेन 12 से 15 सितंबर नहीं चलेगी:इस रूट पर कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा

जयपुर(नि.सं.)। अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, जयपुर से लखनऊ, पटना, कोलकाता, सियालदाह जाने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। रेलवे ने अजमेर से कोलकाता और सियालदाह जाने वाली ट्रेनों को 12 से 15 सितम्बर के बीच रद्द करने का निर्णय किया है।

गर मुश्किलों में

सिद्धार्थ गोरखपुरी

गर मुश्किलों में रखकर तू
कोई हल निकाले
जो टूट मैं गया तो
रखना थोड़ा सम्भाले
आंसुओं की बारिश
हो रही मुसलसल
सैलाब आ रहा है
अब तो मुझे बचा ले
मैं तेरा हूँ! ये हरदम
कहता था तू मुझी से
तो.. ले मैं कर रहा हूँ
खुदको तेरे हवाले
रौशनी मैं दे रहा था
ढलते ही शाम जिनको
वो दे रहें हैं दिन में
अक्सर मुझे उजाले
औरों की बात तुमसे
कहना नहीं मुनासिब
अब जिसकी जितनी
मर्जी उतना मुझे सता ले
तेरे वायदे का क्या है
जो तुमने कर दिया था
क्या वायदी लफ्जों
को जेहन से हम हटा लें

टेस्पैक परियोजना के चरण-1 का हुआ सफलतापूर्वक समापन

जयपुर (संस्कार सृजन)। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने दुनिया भर के उन देशों में उपयोग किए जाने वाले स्मार्ट सोलर मीडिया सिस्टम (एसएसएमएस) की असेंबली की टेस्पैक परियोजना के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। जहां बिजली उपलब्ध नहीं है, ये एसएसएमएस अपने अत्याधुनिक एचडी प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम, रिकॉर्डिंग सिस्टम, स्मार्ट बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम आदि के साथ किसी भी वर्ग को स्मार्ट क्लास में बदलने के लिए 8 घंटे की निर्बाध बिजली प्रदान कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी के प्रो. ज्योति खंडेलवाल, यूईएम जयपुर ने समारोह की शुरुआत की और विश्व की शीर्ष स्टार्टअप कंपनी टेस्पैक लिमिटेड, फिनलैंड के साथ यूईएम जयपुर के सहयोग की जानकारी दी। टेस्पैक लिमिटेड फिनलैंड के सीईओ और संस्थापक मारियो एगुइलेरा ने अंतिम मशीन का प्रदर्शन किया और अंतिम डिलीवरी की तारीख से पहले इस परियोजना को पूरा करने के उनके असाधारण प्रयासों के लिए शोपान डे, अफाक अहमद, किंगशुक बैरागी, ऋषिता दास, यूईएम जयपुर की सौहिता बिस्वास को

प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना का दूसरा चरण इन मशीनों के लिए एआई आधारित समाधान विकसित करना होगा और अगले 3 महीनों के भीतर यूईएम जयपुर इनोवेशन टीम के साथ शुरू होगा। कपिल गर्ग, आईपीएस, पूर्व पुलिस महानिदेशक, राजस्थान और यूईएम जयपुर के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर ने अफ्रीका में बिजली से वंचित राष्ट्रों के छात्रों को स्मार्ट क्लास आधारित शिक्षा प्रदान करने की उनकी दृष्टि और प्रतिबद्धता के लिए टेस्पैक लिमिटेड, फिनलैंड के सीईओ और संस्थापक मारियो एगुइलेरा की सराहना की।प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर ने यूईएम जयपुर के छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट व्यावहारिक सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए टेस्पैक के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो. डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन, यूईएम जयपुर ने भी अपेक्षित बैटरी जीवन और मशीन को और अधिक विश्वसनीय और मजबूत बनाने के लिए इसमें और सुधारों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

राधाष्टमी महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर झूम उठे श्रद्धालु

जयपुर (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग द्वारा राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर श्री बृजनिधिजी, चांदनी चौक, जंतर मंतर के पास जयपुर में राधाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः 5:15 बजे अभिषेक किया गया । इसके पश्चात प्रातः 9:15 बजे गोपाल सहस्त्रनाम के पाठ किए गए । शाम को 5:15 बजे से 9:15 बजे तक भजन संध्या और रुक्मणी विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कथक कला केंद्र की डायरेक्टर और वरिष्ठ नृत्य गुरु उषाश्री के निर्देशन में कलाकारों द्वारा संगीत व नृत्य की प्रस्तुतियां दी गयी । कार्यक्रम के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा गजानंद स्तुति, चरी नृत्य, मोर नृत्य, भवाई नृत्य, कालबेलिया नृत्य, कृष्ण सुदामा नाटिका,

युगल नृत्य, मूंछ प्रदर्शन ,मोरचंग, सामूहिक नृत्य, कृष्ण मंडल व सखियां आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर उपस्थित श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे और कलाकारों की भूरी भूरी प्रसंशा की।

ब्राह्मण समाज राजस्थान ने किया टोनिया शर्मा का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात द्वारा सामोद स्थित शिव मंदिर में जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस में हाडी रानी महिला बटालियन में टोनिया शर्मा को कंपनी कमांडर पद पर पदोन्नत होने पर दुपट्टा, शाल व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया । इस दौरान जिलाध्यक्ष तिवाडी ने कहा कि समाज की बेटिया समाज का नाम रोशन कर रही है इनका सम्मान करने से इनका मनोबल बढ़ता है। इस दौरान जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा चौमूं तहसील उपाध्यक्ष डॉ राम प्रकाश शर्मा, चौमूं तहसील संगठन मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, हरिओम शर्मा, नरेंद्र शर्मा सीताराम दौतोलिया, डॉ ओम प्रकाश शर्मा, डॉ सीताराम कुमावत, रजनी कांत शर्मा, शशिकांत शर्मा मुकेश लालानी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

नानूराम भादरिया का निर्विरोध जांगिड़ समाज अध्यक्ष अध्यक्ष बनने पर पंडित रविंद्र आचार्य ने किया सम्मान

चौमूँ (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के वार्ड नंबर 36, मोरीजा रोड स्थित लक्ष्मण धर्म कांटा के पास जांगिड़ समाज शाखा अध्यक्ष नानू जांगिड़ को सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाए जाने पर अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने महाकाल का दुपट्टा और साफा पहनाकर सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य का की कामना की । नवनियुक्त अध्यक्ष नानूराम जांगिड़ ने भी पंडित रविंद्र आचार्य को साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया । इस दौरान राजकुमार शर्मा जिला महासचिव कांग्रेस, राजेंद्र जांगिड़, ज्ञान प्रकाश जांगिड़, गणपत जांगिड़, श्रवण जांगिड़, विनोद जांगिड़, पंडित हरिओम शास्त्री, श्रवण भादरिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

देवीलाल आई मेमोरियल हॉस्पिटल ने किया शिक्षकों का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। रेल्वे स्टेशन रोड स्थित देवीलाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाहोता (आमेर) मे शिक्षक दिवस के उपलक्ष पर सम्मान समारोह में शिक्षकों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। हॉस्पिटल निदेशक विमल कुमावत ने बताया कि हम सबके जीवन में शिक्षकों का अहम योगदान रहा है, उन्होंने हमारे जीवन को तराशा है । शिक्षक वंदनीय एवं सम्मानीय है तथा हमारे जीवन की प्रेरणा है । यह हमारा सौभाग्य है कि आज हमें उनको सम्मानित करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ है । निदेशक ने स्कूल के बच्चों को समय-समय पर आंखों को नेत्र चिकित्सक से जांच करवाने की सलाह दी, उन्होंने यह भी बताया कि कुछ बीमारियों का इलाज बाल्यावस्था में ही संभव हो पाता है, बाद में खोई हुई रोशनी को वापस नहीं लाया जा सकता । हरी सब्जियां, दाल, दूध युक्त संतुलित भोजन लेने की सलाह दी । विद्यालय प्रधानाचार्य अनिल शर्मा ने बताया कि देवी लाल मेमोरियल आई हॉस्पिटल ने बहुत ही कम समय में नेत्र चिकित्सा में नए आयाम स्थापित किए हैं , उन्होंने शिक्षकों का सम्मान करने पर अस्पताल निदेशक एवं सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com